KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997
Vol. 5/ Issue 2/ Oct 2022- Dec 2022
NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

प्रतिबिम्ब
(NEWS LETTER)
कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

प्राचार्या की कलम से

किसी भी देश में गरीबी, बेरोजगारी और असमानता, उसके आर्थिक विकास में सर्वाधिक बाधक तत्व है। अर्थात आर्थिक विकास का नवीन दृष्टिकोण आम जनता के कल्याण से संबंधित है, परंतु इसका सबसे महत्वपूर्ण कारक, जनसंख्या की मात्रात्मक व गुणात्मक वृद्धि है, जो आर्थिक विकास को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा कहा जाता है कि वृद्धिशील जनसंख्या, वस्तुओं और सेवाओं के लिए बड़ा बाजार, अधिक कार्य बल, नवाचार व कुल उत्पादन में वृद्धि लाती है, किंतु सत्य यह है, कि अति जनसंख्या आर्थिक विकास को अवरुद्ध करती है । हाल ही में प्राप्त World Population Review के अनुसार, भारत ने 1.42 बिलियन जनसंख्या के साथ चीन को पीछे छोड़ दिया है, जो कि एक चिंतनीय विषय है। ऐसे में प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव, पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव, जीवन संघर्ष व अपराध में वृद्धि, अवनत जीवन स्तर, बेरोजगारी व कुपोषण होना स्वाभाविक है। ऐसे परिवेश में बालिकाओं की शिक्षा एक महत्वपूर्ण बिंदु है, जिस पर सभी नागरिकों को गंभीरता से सोचना चाहिए। आज जब भारत G–20 की अध्यक्षता कर रहा है और उत्तर प्रदेश में UP Investors Global Summit में आर्थिक सहयोग, अंतरराष्ट्रीय निवेश इत्यादि पर समझौते हो रहे हैं, तब जनसंख्या नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाना व महिला शिक्षा को प्रत्येक स्तर पर बढ़ावा देना स्वैच्छिक नहीं अनिवार्य होना चाहिए ।

महिला महाविद्यालय होने के फलस्वरूप कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर इस पुनीत कार्य में यथासंभव अपना सर्वोत्तम दे रहा है तथा भविष्य में द्विगुणित ऊर्जा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने हेतु कटिबद्ध है ।

शुभकामनाएं –

प्रो (डॉ.) दिव्या नाथ

सम्पादिका की कलम से

संस्कृति हमारे विवेक की संचालिका शक्ति है । इसी से हमारी रुचि की, हमारे ज्ञान की सर्जना होती है । सत्यम– शिवम–सुंदरम की त्रिवेणी संस्कृति के रूप में प्रतिपल मानव जीवन में प्रवाहित होती रहती है। संस्कृति मानव की मानसिक, नैतिक, भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा कलात्मक जीवन की समग्रता का नाम है।

जीवन की सरिताओं, मैदानों,वनों ,चट्टानों, बड़वानल, दावानल, मलय पवन तथा झंझावातों को सहते हुए सबके साथ बहते हुए आगे बढ़ने वाली जो निर्विकल्प जीवधारा जीवन को सजीव बनाए रखती है, इसी जीवधारा को संस्कृति की संज्ञा दी जाती है । मानव जीवन में जितना भी वैभव है, वह मनुष्य के मन, प्राण और शरीर के दीर्घकालीन प्रयत्नों का परिणाम है । धर्म, दर्शन, साहित्य व कला उसी के अंग है । संस्कृति आत्मिक उत्थान का चिन्ह, आत्म–उत्कर्ष की सीढ़ी तथा आत्म दर्शन का मार्ग है। संस्कृति आत्म शुद्धि द्वारा सर्व गुणों का विकास करने वाली सर्वोत्कृष्ट मार्गदर्शिका है । संस्कृति जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण एवं हमारी सृजन का प्रकटीकरण है। यह सृजन जब शब्दों में आबद्ध होकर साकार रूप लेता है तो वह सृजनकार की आंतरिक संस्कृति को प्रकट करता है। महाविद्यालय का यह नवोन्मेष न्यूजलेटर महाविद्यालय की आंतरिक संस्कृति को आकार देने का एक सहज प्रयास है। माननीय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई विभिन्न शिक्षण सहगामी गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भावी आशाओं का यह प्रतिबिंब सुधिजनों के सम्मुख विनीत भाव से प्रस्तुत है।

श्रद्धां मेधां यशः प्रज्ञां विद्यां बुद्धिं श्रियं बलम् ।
आयुष्यं तेज आरोग्यं देहि नो हव्यवाहन।।

प्रो (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी

गांधी व शास्त्री जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन

महाविद्यालय में दिनाँक 02 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा विशाल प्रांगण में समस्त शिक्षकों,छात्राओं एवं एन.सी.सी कैडेट्स की उपस्थिति में ध्वज फहराया गया। राष्ट्रगान के स्वरों के साथ एन.सी.सी कैडेट्स की सलामी ने भारत के राष्ट्रीय नायकों को युवा राष्ट्र का सलाम प्रेषित किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र के समक्ष माल्यार्पण कर उनको याद किया गया। इसी क्रम में एन.सी.सी व एन. एस.एस की छात्राओं द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्ष रोपित किये गए एवं श्रमदान कर स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक किया गया। सभागार में चले आयोजन में सर्वप्रथम समारोहक डॉ.श्वेता सिंह द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई, जहाँ उनके द्वारा महात्मा गांधी के दार्शनिक विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता तार्किक आधारों पर स्पष्ट की गई। डॉ.नीलम शर्मा द्वारा महात्मा गांधी के जीवनदर्शन पर रामचरितमानस के प्रभाव को व्यक्त करते हुए मानस की चौपाइयों का पाठ किया गया। उनके उपरान्त प्रो.डॉ दीप्ति वाजपेयी ने गीता के श्लोकों के माध्यम से गीता में लिखे भगवत भाव से सभी को अवगत कराया। उन्होंने गीता में वर्णित संदर्भों को महात्मा गांधी के जीवन दर्शन से सम्बद्ध करते हुए कहा कि कैसे भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद् भगवत गीता में अर्जुन को जीवन जीने की कला सिखाई तथा बताया कि व्यक्ति को मोह, ममता और हिंसा त्याग कर निष्काम भाव से सत्य और असत्य का निर्णय करना चाहिए। डॉ. जूही बिरला ने बाइबिल में ईसा मसीह के उपदेशों को पढ़कर सभागार में उपस्थित प्रत्येक मानस के मन को प्रकाशित कर दिया। उन्होंने बताया कि बाइबल मात्र धर्म ग्रंथ नहीं है बल्कि मानव जीवन का सरल सूत्र भी है।बी.वॉक. विभाग के प्रवक्ता डॉ. आजाद आलम सिद्दीकी ने कुरान की आयतों के माध्यम से इस्लाम धर्म में समाहित अहिंसा एवं शांति की मूल भावना से सभी को अवगत कराया। डॉ. मणि अरोड़ा ने सिखों के आदिग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब के शब्दों को गुरुवाणी के रूप में प्रस्तुत किया ।

उन्होंने बताया कि गुरु ग्रंथ साहिब में उल्लेखित दार्शनिकता कर्मवाद को मान्यता देती है। गुरुवाणी के अनुसार व्यक्ति अपने कर्मो के अनुसार ही महत्व पाता है। अतः उस सनातन सत्य को अपने आन्तरिक हृदय में ही खोजने व अनुभव करने की आवश्यकता है। संगीत विभाग प्रभारी डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में सभी शिक्षकों व छात्राओं ने महात्मा गांधी के भजन गाकर साबरमती आश्रम के शान्त एवं संगीतमय आनन्द को पुनः साकार कर दिया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी गांधी जी और शास्त्री जी के विचार पूर्ण रूप से प्रासंगिक हैं। उन्होंने गांधी जी के कथन लर्निंग फॉर अर्निंग एवं अर्निंग फॉर लर्निंग को वर्तमान नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जोड़ते हुए पूर्ण प्रासंगिक बताया।उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन के अनुसार रामराज्य की परिकल्पना शांति और परस्पर स्नेह पर आधारित ऐसे राज्य की है जहाँ गरीबों,शोषितों एवं वंचितों की संपूर्ण रक्षा हो। प्राचार्या ने कहा कि छात्राओं को स्मरण रहे कि रामराज्य को अपने वास्तविक रूप में स्थापित करने के लिए हम सभी को अपने नियमित आचरण में सत्य,अहिंसा, मर्यादा,वीरता,क्षमा, धैर्य आदि गुणों को समाहित करना ही होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन समारोहिका डॉ. श्वेता द्वारा किया गया। आयोजन के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों,एन.सी.सी कैडेट्स व एन.एस.एस छात्राओं की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

संस्कृत विभाग में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में दिनांक 21 अक्टूबर 2022 को स्नातक प्रथम वर्ष तथा 07 नवंबर 2022 को स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की नवागत छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालय संस्कृति से सुपरिचित कराकर उन्हें विभिन्न समितियों क्रियाकलापों, विभागीय गतिविधियों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य से अवगत कराना था। सर्वप्रथम विभाग प्रभारी प्रो.(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी ने मां सरस्वती से आशीर्वाद की कामना के साथ छात्राओं का स्वागत किया एवं उन्हें संस्कृत विभाग की विभिन्न गतिविधियों, विशेषताओं एवं नैतिक मूल्यों का बोध कराया तथा महाविद्यालय के शैक्षिक कैलेंडर एवं नियमों का ज्ञान प्रदान किया। इसके पश्चात डॉ. नीलम शर्मा के द्वारा संस्कृत परिषद के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का ज्ञान छात्राओं को कराया गया। इस क्रम में डॉ. कनकलता द्वारा आंतरिक परीक्षाओं एवं पाठ्यक्रम के संबंध में महत्त्वपूर्ण जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई । अंत में डॉ. शिखा रानी द्वारा छात्राओं को विभाग में संचालित संस्कृत संभाषण विषयक कार्यक्रम के बारे में बताया गया तथा छात्राओं को विभाग में संचालित विभिन्न छात्रोपयोगी गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान भी विभाग प्राध्यापिकाओं द्वारा प्रस्तुत किये गये। प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में आयोजित यह कार्यक्रम छात्राओं को महाविद्यालय कार्य संस्कृति से सुपरिचित कराने की दृष्टि से अत्यधिक उपयोगी रहा।

भाषा प्रयोगशाला संचालन समिति के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

महाविद्यालय के भाषा प्रयोगशाला संचालन समिति के तत्त्वावधान में दिनांक 21 अक्टूबर 2022 को अपरान्ह 1:00 बजे 'भाषा कौशल विकास' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नीलम शर्मा, संस्कृत विभाग ने भाषाई कौशल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य की संप्रेषण क्षमता, भाषा कौशल की दक्षता पर निर्भर होती है।नवंबर माह में डॉ. विजेता गौतम द्वारा 'ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन में phonetic symbols का प्रयोग, शब्दों के उच्चारण को लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है, इस बात पर प्रकाश डाला गया। दिनांक 10 नवंबर 2022 को डॉ.विजेता गौतम के निर्देशन में कुल 37 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दिसंबर माह में डॉ.मिन्तु द्वारा 'भाषा की उत्पत्ति एवं विकास' पर व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने अति प्रांजल,परिष्कृत एवं व्यवहारिक रूप से अपने व्याख्यान को प्रस्तुत करते हुए भाषा के उद्भव,उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डाला। अंत में डॉ. विजेता गौतम,डॉ. मिन्तु एवं डॉ. नीलम शर्मा द्वारा छात्राओं की समस्त जिज्ञासाओं का भी उचित समाधान किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 31.10.2022 को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में श्रृंखलाबद्ध कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। सर्वप्रथम महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति,आजादी का अमृत महोत्सव समिति तथा एन. सी.सी इकाई द्वारा महाविद्यालय में रन फॉर यूनिटी को आयोजित किया गया,जिसको संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्राओं द्वारा एकता और अखंडता के जयघोष ने सादोपुर और बादलपुर के परिवेश को देशभक्ति के रोमांच से भर दिया। इसी क्रम में इतिहास विभाग,एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति तथा एन. सी.सी इकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ कार्यक्रम के साथ–साथ छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां करवाई गई। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा देशभक्ति के गीत, कविता,स्लोगन लेखन के साथ अपने विचार भी प्रस्तुत किये गए। बी.एड.विभाग के प्रवक्ता डॉ. संजीव कुमार व इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. बसंत कुमार द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन के राजनैतिक व राष्ट्रीय दर्शन को समझाया गया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ. निधि रायजादा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों के मानवीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय नायक ही नहीं राष्ट्रीय आदर्श हैं। उनके जीवन की एक– एक घटना इस राष्ट्र को नित नई प्रेरणा दे रही है।उनकी प्रशासनिक क्षमता तथा नेतृत्व कौशल आज भी राष्ट्रीय नेतृत्व को राह दिखा रहा है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वह सरदार पटेल के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें तभी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। धन्यवाद ज्ञापन देते हुए प्रोफेसर(डॉ.) आशा रानी ने भारतीय इतिहास के साथ–साथ भारत के भविष्य निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को याद किया। अंत में उपस्थित छात्राओं को सरदार पटेल पर डेढ़ घंटे की पिक्चर भी दिखाई गई जिसने छात्राओं को इस बात का एहसास कराया कि आजादी के आंदोलन में देश के शहीदों का योगदान भुलाया जाना सम्भव ही नहीं है। इस अवसर पर एन.सी.सी इकाई प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहानी ,प्रो.(डॉ.) अनिता सिंह, डॉ. शिल्पी तथा डॉ. बसन्त कुमार के साथ महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों सहित छात्राओं की उपस्थिति एवं योगदान सराहनीय रहा।

एन.सी.सी इकाई की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

अक्टूबर माह के प्रारम्भ में एन.सी.सी इकाई द्वारा गांधी जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण एवं निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। दिनाँक 31 अक्टूबर को एन.सी.सी छात्राओं द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी कि जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। नवम्बर माह की दिनाँक 11 से 14 तक एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय में शासन से निर्देशित तीन आर (3R- Reuse Reduce and Recycle Campaign) जनजागरण कार्यक्रम चलाया गया। 16 नवम्बर,2022 को एन. सी.सी कैडेट्स द्वारा पुनीत संकल्प शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुनीत सागर अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को प्लास्टिक प्रदूषण के कारण एवं निवारण की विधियों से अवगत कराना था। एन.सी.सी दिवस के उपलक्ष्य में दिनाँक 27 नवम्बर,2022 को एन. सी. सी कैडेट्स के लिए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

उक्त क्रम में एन.सी.सी इकाई की 25 कैडेट्स ने (दिनाँक 28 नवम्बर से 05 दिसम्बर,2022) तथा 05 कैडेट्स ने (दिनाँक 06 दिसम्बर से 13 दिसम्बर,2022 तक) पंचशील बालक इंटर कॉलेज में आयोजित क्रमशः सी.ए.टी.सी –137 तथा सी.ए.टी.सी –138 शिविर में प्रतिभाग किया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस अभियान के तहत दिनाँक 07 दिसम्बर,2022 को एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा टिकट बिक्री कर धन एकत्र करने के साथ साथ जागरूकता अभियान भी चलाया गया। उक्त के अतिरिक्त उलहवअ.पद पर भी रेजिस्ट्रेशन किया गया। दिनाँक 16 तथा 17 दिसम्बर,2022 को महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में समस्त एन.सी.सी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया जिसमें कैडेट कु.निक्की भाटी ने स्पोर्ट्स चौंपियन का पुरस्कार प्राप्त किया। दिसम्बर माह में कैडेट तरुणा तोंगर का दिल्ली पुलिस में चयन होने के साथ– साथ कैडेट कोमल मावी का गणतंत्र दिवस शिविर और प्रधानमंत्री गार्ड ऑफ ऑनर इकाई के सदस्य के रूप में चयन महाविद्यालय एन. सी. सी. इकाई के लिए विशेष उपलब्धि रही।

नवाचार समिति के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ.दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं संरक्षण में नवाचार समिति के तत्वावधान में विभिन्न बहु उपयोगी कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। दिनांक 1 नवंबर 2022 को इनोवेशन काउंसिल व गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भोजन में उपस्थित पोषण के ज्ञान एवं उद्यमिता के विकास हेतु 'एंटरप्रेन्योरियल फेयर' का आयोजन किया गया । दिनांक 5 नवंबर 2022 को एक दिवसीय क्षेत्र भ्रमण कर बादलपुर ग्राम का परिभ्रमण किया गया, जिसमें वहां के निवासियों से मिलकर छात्राओं ने क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर उनके समाधान पर सुझाव दिए। इससे छात्राओं को नवीन विचारों के विकसित करने में सहायता मिली। दिनांक 8 नवंबर 2022 को एक कार्यशाला विषय 'एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन एज कैरियर अपॉर्चुनिटी' का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य वक्ता डॉ.राजकुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर, जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदिरापुरम गाजियाबाद रहीं। दिनांक 24 नवंबर 2022 को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विषय 'मेक इन इंडिया'का डॉ आजाद आलम सिद्दीकी बी.वाक विभाग द्वारा आयोजन किया गया। दिनांक 20 दिसंबर 2022 को विषय 'एंटरप्रेन्योरशिप स्किल एप्टीट्यूड एंड डेवलपमेंट' कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. नेहा नैनवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर– वाणिज्य विभाग, राजकीय महाविद्यालय बी.बी. नगर, बुलंदशहर ने उपयोगी रोचक व्याख्यान दिया। दिनांक 11 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया ।महाविद्यालय के बी.एड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार ने शिक्षा के महत्व व शिक्षा के क्षेत्र में पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। दिनांक 14 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत वक्ता डॉ नीतू सिंह व श्रीमती नेहा त्रिपाठी, विज्ञान विभाग ने इसके इतिहास ,ऊर्जा संरक्षण का महत्व एवं इसे मनाने के कारणों के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। नवाचार समिति के सभी सदस्यों के सराहनीय योगदान से सभी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

महिला प्रकोष्ठ का अभिविन्यास कार्यक्रम

महाविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2022–23 में महिला प्रकोष्ठ का पुनःगठन किया गया, जिसका उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में लैंगिक भेदभाव एवं महिलाओं व छात्राओं की हर प्रकार की समस्या का समाधान करना है। महिला प्रकोष्ठ की गतिविधियों का आरंभ अभिविन्यास कार्यक्रम से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.सीमा द्वारा छात्राओं को प्रकोष्ठ के सदस्यों से परिचय कराते हुए महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत वर्ष भर संचालित होने वाले कार्यक्रमों व प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। छात्राओं को महिला सुरक्षा,महिला उत्पीड़न एवं निवारण,महिला हेल्पलाइन नंबर '1090'112,100,180, महिला आयोग, इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ कमेटी के सभी सदस्य डॉ.प्रतिभा तोमर,डॉ.अनुपम स्वामी, डॉ.बबली अरुण, श्रीमती नीलम यादव.डॉ.माधुरी पाल,डॉ. सोनम शर्मा,डॉ.रंजना उपाध्याय आदि उपस्थित रहे ।अभिविन्यास कार्यक्रम में छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।

प्रसार व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय की प्रसार व्याख्यान समिति के तत्त्वावाधान में दिनांक 10 नवंबर 2022 को प्राचार्य प्रो. दिव्यानाथ की अध्यक्षता में प्रसार व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया,जिसका प्रारंभ प्रो. (डॉ.)अनीता सिंह ने विशिष्ट वक्ता श्री विनायक पुलाह प्रसिद्ध ज्योतिषविद् के अभिनंदन से किया। डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा पुष्प गुच्छ द्वारा विशिष्ट वक्ता का स्वागत किया गया ।कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता श्री पुलाह द्वारा ज्योतिष की सार्थकता विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए ।ज्योतिष शास्त्र के इतिहास के बारे में बताते हुए वक्ता श्री पुलाह जी ने वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपयोगिता बताई। प्राचीन वैदिक काल से भारत में ज्योतिष को पढ़ाया जाता रहा है। जीवन की दशा एवं दिशा पर ग्रहों का प्रभाव पड़ता है ।बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी एवं अन्य कई विश्वविद्यालयों में ज्योतिष शास्त्र को पढ़ाया जा रहा है ।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनम शर्मा द्वारा किया गया ।व्याख्यान के अंत में कु. अनिता द्वारा महत्वपूर्ण एवं बहुआयामी व्याख्यान प्रस्तुत करने हेतु आभार व्यक्त किया गया ।प्रसार व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण एवं छात्राएं उपस्थित रहे। प्रसार व्याख्यान श्रृंखला में दिनांक 20 दिसंबर 2022 को ''जीवन बीमा के संदर्भ में वित्तीय प्रबंधन का जीवन चक्र''विषय पर द्वितीय व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता श्री रामपाल सिंह पुंडीर, रिटायर्ड सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिस (यूपी) का स्वागत डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा किया गया ।विशिष्ट वक्ता द्वारा बताया गया कि जीवन बीमा अत्यंत ही आवश्यक है। जीवन के दौरान और जीवन के बाद भी यह आपके और आपके परिवार की सहायता करता है ।कोई भी व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जरूरतों के मुताबिक मनी बैक पॉलिसी या टर्म इंश्योरेंस योजनाएं ले सकता है। कार्यक्रम के अंत में बहुआयामी सारगर्भित व्याख्यान के लिए डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्रसार व्याख्यान समिति के समस्त सदस्य एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजनं

महाविद्यालय में स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री तथा भारत रत्न श्री अबुल कलाम आजाद जी का जन्मदिवस राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। आजादी का अमृत महोत्सव समिति के सौजन्य से महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। इस अवसर पर विभाग की छात्राओं ने भारत की आजादी एवं आजादी के उपरान्त अज्ञानता से आजादी में अबुल कलाम आजाद साहब के योगदान को याद किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि शिक्षा मात्र मानव व्यवहार में परिवर्तन एवं परिमार्जन की प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह राष्ट्र विकास की प्रक्रिया है। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकों द्वारा भी अबुल कलाम आजाद साहब के शैक्षिक दर्शन पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। मंच का संचालन एम.एड. इंटर्न की छात्रा कु.कल्पना पाठक और रिंकी शर्मा द्वारा किया गया। विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रमाकान्ति द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों व छात्राओं की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

शिक्षण में गुणात्मक वृद्धि हेतु कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 12 नवंबर 2022 को आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसका विषय था '' एप्लिकेशन ऑफ आईसीटी इन टीचिंग एंड लर्निंग''। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में सर्वप्रथम आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी ने स्वागत उद्बोधन करते हुए प्राचार्या महोदया एवं कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ निखिल कुमार राजपूत , असि . प्रो. , रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला । इसके उपरांत कार्यशाला संयोजक डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने अतिथि वक्ता का परिचय कराते हुए उनकी उपलब्धियों से सभी का परिचय कराया ।

डॉ. राजपूत ने अपने उद्बोधन में सरल और प्रभावशाली तरीके से शिक्षक अधिगम प्रक्रिया में किस प्रकार आई.सी.टी का प्रयोग किया जा सकता है इस विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला, साथ ही मूक , स्वयं आदि पर किस प्रकार मॉड्यूल्स बना कर अपने ई कंटेंट विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध करा सकते हैं। क्लास रूम टीचिंग में वर्चुअल लैब के माध्यम से किस प्रकार विषय की रोचकता और ग्रह्यता को बढ़ा सकते हैं, इत्यादि विषयवस्तु का व्यवहारिक ज्ञान प्रतिभागियों को कराया। व्याख्यान के अंत में प्राध्यापकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समुचित समाधान भी डॉ.निखिल राजपूत द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंत में डॉ. सत्यंत कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के आयोजन में IQAC समिति डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ शिल्पी , डॉ मीनाक्षी लोहनी, डॉ सत्यंत कुमार, डॉ अरविंद कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्राचार्या महोदया के निर्देशन में आयोजित यह कार्यशाला अपने उद्देश्यों में पूर्ण रूपेण सफल रही।

जागरूकता एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन

दिनांक 14 नवम्बर 2022 को महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो०(डॉ०) दिव्यानाथ जी की अध्यक्षता में महिला हैल्थ क्लब की ओर से दिल्ली के विंग्स एंड आर्टस हैल्थ हॉस्पिटल के साथ संयुक्त रूप से महाविद्यालय परिसर में महिलाओं के स्वास्थ्य से सम्बंधित एक जागरूकता कैम्प का आयोजन कराया गया,जिसमें विंग्स एंड आर्टस हैल्थ हॉस्पिटल की मुख्य स्त्री रोग विशेषज्ञ व निर्देशक डॉ० रश्मि श्रेया व हॉस्पिटल की स्वास्थ्य टीम ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ० रश्मि श्रेया द्वारा सर्वप्रथम महिलाओं की अनियमित माहवारी, महिलाओं के कैन्सर, PCOS की समस्या आदि विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों को विस्तार से व्याख्यान के माध्यम से उपस्थित छात्राओं एवं महाविद्यालय में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आई हुई महिलाओं को समझाया। नियमित दिनचर्या , योगा , सही स्वच्छता के फायदों को भी बताया । अनियमित खान पान एवं मॉडर्न जीवनचर्या की आदतों से स्वास्थ्य ख़राब होने के साथ साथ इन्फर्टिलिटी की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इन्फर्टिलिटी की समस्या का समाधान आई० वी० एफ० के द्वारा किया जा सकता है तथा मातृत्व सुख प्राप्त किया जा सकता है। जागरूकता कार्यक्रम का संचालन डॉ० माधुरी पाल द्वारा किया गया। महाविद्यालय की संरक्षिका प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य व सामाजिक कार्य की आज के समय में प्रासंगिकता व महत्त्व पर प्रकाश डाला गया । धन्यवाद ज्ञापन हैल्थ क्लब प्रभारी श्रीमती नीतू सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर बादलपुर की ग्राम प्रधान श्रीमती महेशवती जी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। जागरूकता व्याख्यान के पश्चात् डॉ० रश्मि श्रेया द्वारा महाविद्यालय के फर्स्ट एड कक्ष में अपनी टीम के साथ महाविद्यालय की छात्राओं व बादलपुर तथा अन्य क्षेत्रों से आई हुई महिलाओं को मुफ्त चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।उपस्थित महिलाओं द्वारा महाविद्यालय के हैल्थ क्लब द्वारा कराए गए उक्त सामाजिक कार्य की बहुत सराहना की ।

जनजातीय गौरव दिवस

महाविद्यालय के बी0एड0 विभाग में 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 15 नवंबर 2022 पर 'बिरसा मुंडा जयंती 'को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाते हुए एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह ने शहीद बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में जनजातीय चेतना की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। साथ ही ब्रिटिश शासन द्वारा जनजातियों के निर्मम शोषण एवं हिंसक जनजातीय प्रतिक्रिया का विस्तार से विवेचन किया। अंत में उन्होंने वर्तमान संदर्भ में जनजातीय सरोकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन बी0एड0विभाग के प्राध्यापक श्री नितिन त्यागी द्वारा किया गयास इस अवसर पर इतिहास विभाग प्रभारी डॉ.आशारानी एवं बी0एड0विभाग के विद्यार्थियों सहित महाविद्यालय के अन्य विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग में विभागीय सेमिनार का आयोजन

महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 2022 को एक विभागीय सेमिनार " फॉनेटिक्स, द साउंड्स ऑफ इंगलिश लैंग्वेज " विषय पर आयोजित किया गया ।इस सेमिनार में अंग्रेजी भाषा की विभिन्न ध्वनियों के विषय में विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया । छात्राओं ने अंग्रेजी के स्वर और व्यंजन पर अपने लेख प्रस्तुत किए। दूसरा सेमिनार दिनांक 13 दिसंबर 2022 को " लिटरेरी थ्योरी एंड कल्चरल स्टडीज " विषय पर आयोजित किया गया ।इस सेमिनार में अंग्रेजी साहित्य की विभिन्न विचारधाराओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया । छात्राओं ने फेमिनिज्म, मॉर्क्सिज्म, ईको–क्रिटीसिज्म पर अपने लेख प्रस्तुत किए। सेमिनार का संचालन डॉ.श्वेता सिंह द्वारा किया गया। डॉ.जूही बिरला, डॉ. विजेता गौतम एव डॉ. अपेक्षा तिवारी द्वारा सेमिनार के विषय पर प्रासंगिक विचार व्यक्त किए गए।

विश्व विरासत सप्ताह का आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा विश्व विरासत सप्ताह के उपलक्ष्य में, दिनाँक 19 नवंबर 2022 से दिनांक 25 नवंबर 2022 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दिनांक 19 नवंबर 2022 को विश्व विरासत सप्ताह(19 से 25 नवंबर 2022) के उपलक्ष में, प्रिजर्विंग आवर पास्ट फॉर फ्यूचर विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता के रूप में विभागीय प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह ने यूनेस्को के तत्वावधान में विश्व विरासत सप्ताह की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर चर्चा करते हुए विश्व विरासत के संरक्षण एवं सुरक्षा में आने वाली चुनौतियों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. (डॉ) निधि रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ. आशा रानी,डॉ अनीता सिंह,श्री बसंत कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। दिनांक 21 नवंबर 2022 को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा एवं विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराने हेतु डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। दिनांक 22 नवंबर 2022 को विद्यार्थियों हेतु परिभ्रमण का आयोजन किया गया,जिसके अंतर्गत उन्हें बादलपुर स्थित गौतम बुद्ध पार्क ले जाया गया। दिनांक 23 नवंबर 2022 को 'हमारी विरासत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एम0ए0द्वितीय वर्ष (इतिहास)की छात्रा कोमल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनांक 25 नवंबर 2022 को 'भारतीय विरासत ' विषय पर विद्यार्थियों हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थानआरती,एम0ए0(इतिहास) द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान साक्षी एम0ए0(इतिहास) द्वितीय वर्ष एवं शिवानी नागर एम0ए0 (इतिहास)प्रथम वर्ष को संयुक्त रूप से तथा तृतीय स्थान अनुज शर्मा, एम0ए0, इतिहास प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.(डॉ.)दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में इतिहास विभाग द्वारा किया गया,जिसमें इतिहास विभाग प्रभारी,डॉ. आशा रानी, डॉ. निधि रायजादा, डॉ.अनीता सिंह, श्री अरविंद सिंह एवं श्री बसंत कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

महिला हिंसा उन्मूलन दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में प्राचार्या महोदया के निर्देशन में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में दिनाँक 25 नवम्बर 2022 को महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया,जिसकी मुख्य वक्ता डॉ लता शर्मा,प्राचार्या, आर.,बी.,डी. महाविद्यालय,मथुरा रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या एवं मुख्य वक्ता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। छात्राओं को महिला हिंसा उन्मूलन हेतु मुख्य वक्ता द्वारा सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। छात्राओं को स्वयं को मजबूत बनाने की ,किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने को प्रेरित किया। डॉ. लता द्वारा बताया गया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे बड़े हथियार है ।समाज में आज लड़कियों को चुप्पी तोड़ कर अपने लिए खड़े होने और आगे बढ़कर अपने अस्तित्व का अहसास करना पड़ेगा।

अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और समाज में हर संघर्ष के लिए तैयार होने को कहा।छात्राओं को गरिमामय जीवन जीने,सचेत होने और अभय होने के लिए प्रेरित किया । महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ.सीमा देवी द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ समिति के सभी सदस्य डॉ.प्रतिभा तोमर, डॉ. बबली अरुण, श्रीमती नीलम यादव ,डॉ. सोनम शर्मा, आदि उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता द्वारा छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।

संविधान दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में डॉ अम्बेडकर अध्ययन केंद्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 26 नवम्बर 2022 को संविधान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया , जिसकी मुख्य वक्ता डॉ रोचना मित्तल, एस.डी.कॉलेज, गाजियाबाद रही। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या एवं मुख्य वक्ता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। सर्वप्रथम डॉ सीमा देवी द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया। छात्राओं को संविधान के प्रति समर्पित रहने के लिए कहा। तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रोफेसर रोचना मित्तल द्वारा संविधान के मूल्यों पर गहनता से चर्चा की तथा छात्राओं को बताया कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना किस प्रकार संपूर्ण संविधान को अपने में समाहित किए हुए है। मुख्य वक्ता के व्याख्यान के पश्चात महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर डॉ दिव्या नाथ जी द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं एवं अध्यापकों को संविधान की शपथ दिलाई गई।तत्पश्चात डॉ. सीमा देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । उक्त कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के समस्त प्राध्यापको के साथ महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों एवं छात्राओं की उपस्थिति रही । मुख्य वक्ता द्वारा छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।

किशोरियों के प्रति हो रहे अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय में दिनांक 29 नवंबर 2022 को प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में शास्ता मंडल के तत्वावधान में किशोरियों के प्रति हो रहे अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । सर्वप्रथम मुख्य शास्ता प्रो. रश्मि कुमारी द्वारा छात्राओं को आसपास के क्षेत्र में किशोरियों के प्रति हो रहे अपराध से छात्राओं को अवगत कराते हुए जागरूकता कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया । उन्होंने कहा कि किशोर वय की छात्राओं में भावनात्मक एवं मानसिक अस्थिरता होती है, इसका फायदा उठाकर असामाजिक प्रवृत्ति के व्यक्ति विभिन्न प्रकार के अपराध हेतु उन्हें गुमराह करते हैं, इसके प्रति छात्राओं को सजग होना चाहिए । सह शास्ता प्रो. आशा रानी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां यदि कोई छात्रा अनुभव कर रही हो तो वह शीघ्र ही प्राचार्या एवं शास्ता मंडल के सम्मुख लाए । महाविद्यालय प्राचार्य का यह हर संभव प्रयास रहता है कि वह छात्राओं के किसी भी समस्या का शीघ्र निराकरण करें। इस जागरूकता कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा छात्राओं को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते हुए स्वयं को एक उत्तम विद्यार्थी एवं जागरूक नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया गया । उन्होंने छात्राओं को शपथ दिलाई कि वह इस प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के प्रति सजग रहेंगी और यदि किसी अन्य छात्रा के साथ इस प्रकार का कोई घटनाक्रम उनके सम्मुख आता है, तो वह तत्काल इसे महाविद्यालय प्राध्यापिकाओं के संज्ञान में लायेंगी। इस जागरूकता कार्यक्रम में शास्ता मंडल के अन्य सदस्यों प्रो. दीप्ति वाजपेयी ,डॉ मीनाक्षी लोहानी, डॉ. अरविंद यादव ने अपने–अपने स्तर से छात्राओं को विभिन्न पक्षों पर जागरूक किया ।

विश्व एड्स दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 1 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नमो गंगे ट्रस्ट के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। तत्पश्चात नमो गंगे ट्रस्ट से आए सभी पदाधिकारियों डॉ0 मोहिनी कांडवाल, डॉ0 शिवांगी जायसवाल, डॉ0 शैली रोज एवं डॉ0 कमल शर्मा का स्वागत पादप भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ0) दिव्या नाथ जी द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ नीलम शर्मा ने किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए। सर्वप्रथम डॉ0 शिवांगी जायसवाल ने एड्स के विषय में जानकारी दी,उन्होंने एड्स से बचने के लिए प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने हेतु आयुर्वेद एवं योगाभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मौसमी फल एवं सब्जियों के सेवन पर विशेष जोर दिया। डॉ0 मोहिनी कांडवाल ने नमोःगंगे के उदघोष के साथ छात्राओं में ऊर्जा का संचार कर इस शब्द के दार्शनिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने अपना नाड़ी परीक्षण करा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के निदान हेतु परामर्श प्राप्त कर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाया। डॉ मोहिनी कांडवाल एवं डॉ शिवानी जायसवाल ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं का पृथक– पृथक नाड़ी परीक्षण कर उनकी प्रकृति एवं संबंधित रोगों , आयुर्वेदिक उपायों एवं योग के बारे में समझाया। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय प्रांगण से ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर तक एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। साथ ही एड्स कारण एवं रोकथाम विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया , जिसमें विजयी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में पुरस्कृत किया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में प्रो0 (डॉ0)दीप्ति बाजपेई, डॉ0 सत्यंत कुमार,लेफ्टिनेंट (डॉ0) मीनाक्षी लोहनी , डॉ नेहा त्रिपाठी एवं डॉ मिंतु का विशेष योगदान रहा। संपूर्ण शिविर का सफल संचालन महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं डॉ नीलम शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी द्वितीय इकाई के निर्देशन में किया गया। इसमें महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के समस्त सदस्यों डॉ मिन्तु , डॉ विजेता गौतम, डॉ सीमा देवी, डॉ नीलम यादव , डॉ कनकलता, डॉ कविता वर्मा, डॉ मणि अरोड़ा का योगदान रहा एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं की अत्यधिक संख्या में उपस्थिति सराहनीय रही।

साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय के सत्र 2022 –23 में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में दिनांक 02 दिसम्बर 2022 से 08 दिसम्बर 2022 तक साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन अवसर पर प्रथम दिन नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. (डॉ) दिव्या नाथ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के माध्यम से किया गया। इसके पश्चात साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद प्रभारी प्रो. (डॉ) दीप्ति वाजपेयी द्वारा मंच संचालन करते हुए साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के उद्देश्यों, सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व एवं सर्वांगीण विकास में इस प्रकार कार्यक्रमों की भूमिका से छात्राओं को परिचित कराया गया। इसके पश्चात प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. बबली अरुण द्वारा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। द्वितीय दिवस पर डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने आकर्षक रंगोली के माध्यम से पुनीत संदेश दिया। सप्ताह के तृतीय दिवस पर गायन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। गायन प्रतियोगिता डॉ. बबली अरुण द्वारा संपन्न कराई गई। इसी क्रम में डॉ नेहा त्रिपाठी द्वारा मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चतुर्थ दिवस में स्वरचित कविता प्रतियोगिता डॉ. मिंतु द्वारा संपन्न कराई गई तथा डॉ विनीता सिंह द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था '' युवाओं ने सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभावः हित या अहित की राह ''। पंचम दिवस के अवसर पर डॉ मिंतू के निर्देशन में स्वरचित कहानी एवं प्रो. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसका विषय था '' युवा वर्ग में गिरते मानव मूल्यः एक चिंतनीय दशा''। साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत अंतिम दिन लघु नाटिका एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । लघु नाटिका प्रतियोगिता डॉ. सोनम शर्मा तथा डॉ रमाकांति द्वारा संपन्न कराई गई, जिसमें लघु नाटिका प्रतियोगिता में कला, विज्ञान,वाणिज्य, शिक्षा संकाय तथा व्यवसायिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया और हृदय स्पर्शी नाटिकाओं का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया। इसी क्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था ''भारतीय संस्कृति : अनेकता में एकता'' जिसमे प्रतिभागी छात्राओं द्वारा भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई ।साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह के सफल समापन पर प्राचार्य प्रो दिव्या नाथ द्वारा समिति प्रभारी प्रो.(डॉ) दीप्ति वाजपेयी तथा सभी सदस्यों डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ बबली अरुण, डॉ मिंतु, डॉ रमाकांति , डॉ विनीता एवं डॉ सोनम शर्मा की इस उत्कृष्ट आयोजन हेतु प्रशंसा की गई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की गई।

विश्व विकलांगता दिवस का आयोजन

महाविद्यालय की वुमन हेल्थ क्लब एवं कोविड हेल्पलाइन डेस्क के द्वारा प्राचार्या डॉ0दिव्या नाथ के निर्देशन में विश्व विकलांगता दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 2022 की थीम "समावेशी विकास के लिए परिवर्तनकारी समाधान" पर अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आशा रानी एवं सह अध्यक्षता डॉ निधि रायजादा ने की। छात्राओं को विभिन्न प्रकार की विकलांगता के बारे में कोविड हेल्प डेस्क प्रभारी डॉ सोनम शर्मा द्वारा प्रकाश डाला गया छात्राओं को विकलांगों के प्रति सहानुभूति पूर्ण व्यवहार एवं उन्हें समाज में अपने साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के बारे में प्रेरित किया गया।छात्राओं को यह भी बताया गया कि किसी भी व्यक्ति की विकलांगता उन्हें अनूठा बनाती है और सामान्य मानव के समान ही उनके साथ व्यवहार करना चाहिए। डॉ. नीलम यादव द्वारा छात्राओं को डॉक्यूमेंट्री द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए विभिन्न सहायक उपकरणों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 10 महत्वपूर्ण व्यक्तियों जो कि किसी न किसी प्रकार की शारीरिक विकलांगता से ग्रसित थे, परिचित कराया और अपने संबंधित कार्य क्षेत्र में उन्होंने कैसे विशेष उपलब्धि प्राप्त की इस पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ.पवन, डॉ. रंजना उपाध्याय एवं अन्य प्राध्यापकगण डॉ शिखा रानी, डॉ अनीता,डॉ आजाद आलम, डॉ ऋचा आदि उपस्थित रहे।

विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन

दिनांक 10 दिसम्बर , 2022 को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मानते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से महाविद्यालय कि छात्राओं के लिए एकाधिक कार्यक्रमों का आयोजन प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के निर्देशन एवं प्रेरणा स्वरूप किया गया। सर्वप्रथम मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर विभाग की प्रोफेसर डॉ. ममता उपाध्याय ने 'मानव अधिकारों के महत्व' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें उन्होंने मानव अधिकारों के इतिहास , प्रकृति,महत्व ,मानवाधिकार घोषणा पत्र ,मौलिक , संवैधानिक अधिकारों एवं उनके संरक्षण की दिशा मे सक्रिय संगठनों के विषय मे विस्तारपूर्वक बताया । साथ ही 'होलोकॉस्ट' की घटना से छात्राओं को परिचित कराते हुए यह बताया गया कि कैसे इस घटना ने दुनिया के सभ्य राष्ट्रों को मानव अधिकारों की घोषणा करने के लिए प्रेरित किया । छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर मानव अधिकारों के प्रति ध्यान आकर्षित किया । मानव श्रृंखला को संबोधित करते हुए डॉ. ममता उपाध्याय ने इस दिवस के महत्त्व को रेखांकित किया एवं इस वर्ष कि थीम ' सभी के लिए गरिमा ,स्वतंत्रता और न्याय' से छात्राओं को परिचित कराया । छात्राओं से संपर्क एवं संवाद स्थापित करने मे क्रीड़ा विभाग के प्राध्यापक डॉ . धीरज एवं विभाग की प्रतिनिधि छात्राओं कु.आकांक्षा एवं कु.काजल का विशेष योगदान रहा । राजनीति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ.सीमा देवी ने भी इस अवसर पर छात्राओं से अंतःक्रिया की । इसी क्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठतम प्राध्यापक डॉ.डी. सी. शर्मा ने छात्राओं एवं प्राध्यापकों को मानव अधिकारों के संरक्षण हेतु शपथ दिलाई । कार्यक्रम का समापन ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के साथ हुआ जिसमें छात्राओं ने अत्यधिक संख्या में भागीदारी की। प्रतियोगिता मे कु. तान्या, पुत्री श्री गजेन्द्र,बी.ए. द्वितीय एवं अंकिता ,पुत्री श्री वीरेंद्र,एम.ए.प्रथम ने प्रथम ,शैली नागर ,पुत्री श्री योगेंद्र,बी. ए.द्वितीय ने द्वितीय तथा कु. छाया,पुत्री श्री यादराम, बी.ए . द्वितीय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । प्रतियोगिता का संचालन डॉ . ममता उपाध्याय के द्वारा किया गया ।

अंग्रेजी विभाग द्वारा शैक्षिक भ्रमण

ज्ञान को नवीन बनाने के लिए उपक्रमों की आवश्यकता होती है। इन्हीं उपक्रमों में शैक्षिक भ्रमण भी उपयोगी एवं सार्थक है। इस विचार के साथ दिनांक 10 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में एवं विभाग प्रभारी डॉ. जूही बिरला डॉ. श्वेता सिंह एवं डॉ.अपेक्षा तिवारी द्वारा कराया गया। सर्वप्रथम विभाग की छात्राएं एवं प्राध्यापक महाविद्यालय के प्रांगण से होते हुए दिल्ली सेंट्रल सेक्रेटेरिएट की तरफ रवाना हुए। वहां पर इंडो कैनेडियन लाइब्रेरी ,ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया, नेशनल म्यूजियम ऑफ इंडिया, नॉर्थ ब्लॉक , साउथ ब्लॉक , एवं इंडिया गेट होते हुए महाविद्यालय प्रांगण में एकत्रित होकर अपने–अपने घर प्रस्थान किया। इस एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में महाविद्यालय की छात्राओं ने यात्रा के दौरान सबसे पहले अपने सामान का प्रबंधन ,स्वयं की देखरेख के साथ ही साथ भारत – कनाडा संबंध साहित्य के परिप्रेक्ष्य से एवं यूरोपियन लेखकों की नजर में भारत एवं यूरोपियन लिटरेचर , कॉलोनाइज एवं कॉलोनाइजर कांसेप्ट को पुस्तकों के माध्यम से गृहीत करने का प्रयास किया। इसके पश्चात अपराहन में प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा नेशनल म्यूजियम ऑफ इंडिया में अपने संजोए हुए ऐतिहासिक धरोहर पाषाण काल, पुरापाषाण काल ,गुप्त काल ,हड़प्पा सभ्यता आदि को देखने एवं समझने का प्रयास किया गया। तत्पश्चात नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, इंडिया गेट से भारत के शौर्य , पराक्रम एवं अखंडता को समझा। अपने–अपने यात्रा वृतांत में छात्राओं ने अपने –अपने अनुभव अविश्वसनीय एवं अविस्मरणीय बताए। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से छात्राओं की विषय के प्रति उत्साह एवं ज्ञान के प्रति निरंतरता बनी रहती है।

'हिंदी एवम् अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य में योगदान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय में भारतीय भाषा विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्राचार्य प्रो0(डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में भारतीय भाषा विकास प्रकोष्ठ प्रभारी,प्रो0 डॉ.रश्मि कुमारी की अध्यक्षता में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर डॉ. विकास शर्मा, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने 'हिंदी एवम् अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य में योगदान' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

राह के पत्थर जैसे प्रसिद्ध उपन्यास के रचनाकार, कवि एवं प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रोफेसर विकास शर्मा ने हिंदी और संस्कृत विषय की समाज में प्रसंगिकता पर प्रकाश डाला और अति प्रांजल एवं व्यावहरिक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में समिति के सदस्य प्रोफेसर डॉ. दीप्ति बाजपेई, प्रोफेसर डॉ जीत सिंह, डॉ.जूही बिरला, डॉ.मिंतू ,डॉ,श्वेता सिंह, डॉ.अपेक्षा तिवारी एवम् डॉ.कनक लता ने कार्यक्रम के सफल समापन में अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। व्याख्यान के आखिरी सत्र में प्रोफेसर विकास शर्मा ने अपने कुछ प्रसिद्ध कविताओं को भी पढ़ा जिससे काव्यमय माहौल भी बनास कार्यक्रम के आखिरी में छात्राओं ने कुछ प्रश्नों के माध्यम से अपने जिज्ञासाओं का भी शमन किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. कनक लता, विशिष्ट वक्ता का परिचय डॉ. अपेक्षा तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.जूही बिरला द्वारा किया गया।

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद का पुरस्कार वितरण समारोह

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के तत्त्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत करने हेतु महाविद्यालय में दिनांक 13 दिसंबर 2022 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर(डॉ) राजीव पांडे, प्राचार्य राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय खरखौदा, मेरठ ने अपने कर कमलों से छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में साहित्यिक सांस्कृतिक प्रभारी डॉ.दीप्ति वाजपेयी तथा समिति के अन्य सदस्यों डॉ नेहा त्रिपाठी , डॉ मिंतु बंसल, डॉ.बबली अरुण ,डॉ रमाकांति, डॉ. विनीता, डॉ सोनम शर्मा के सौजन्य से महाविद्यालय में दिनांक 2 दिसंबर से 8 दिसंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हुए साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह मनाया गया । जिसका समापन दिनांक 13 दिसंबर को भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ।

इतिहास विभाग की विभिन्न उपलब्धियां

महाविद्यालय में इतिहास विभाग में प्रो०(डॉ.) आशा रानी के निर्देशन में दिनांक 15 .12 .2022 को कु. शशि एवं प्रो०(डॉ.) निधि रायजादा के निर्देशन में श्री अनुतोष कुमार को विश्वविद्यालय द्वारा शोध उपाधि प्रदान की गई । 30 नवंबर 2022 को इतिहास विभाग के तत्त्वावधान में छात्राओं को शैक्षिक परिभ्रमण हेतु राष्ट्रपति भवन संग्रहालय तथा इंडिया गेट ले जाया गया

वार्षिक क्रीड़ा समारोह का भव्य आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 16 एवं 17 दिसंबर 2022 को वार्षिक क्रीडा समारोह का आयोजन किया गया । क्रीडा के प्रथम दिवस पर मुख्य अतिथि,ओलंपियन, श्री दीपक कुमार जी रहे । उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि निरंतर अभ्यास से व्यक्ति को अपने लक्ष्य की प्राप्ति निसंकोच प्राप्त होती है । छात्राओं को खेलों के माध्यम से उचित स्वास्थ्य और देश सेवाओं का मौका प्राप्त होता है । योग के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत रोचक रहा । प्रथम दिवस सौ मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निक्की नागर द्वितीय स्थान तनु नागर एवं तृतीय स्थान छाया ने प्राप्त किया । 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में निक्की भाटी प्रथम करिश्मा द्वितीय एवं प्राची तृतीय स्थान पर रही ।400 मीटर एवं 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिताएं भी प्रथम दिवस ही आयोजित की गई।साथ ही ऊँची कूद एवम् लंबी कूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई ।द्वितीय दिवस रस्सी कूद प्रतियोगिता ,म्यूजिकल चेयर ,भाला फेंक ,चक्का फेंक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । क्रीडा के समापन दिवस के अवसर पर सुश्री बबीता नागर ,अंतरराष्ट्रीय पहलवान उपस्थित रहीं । उन्होंने प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। सत्र 2022–23 की चैम्पियन छात्रा कुमारी निक्की भाटी बी0ए0, तृतीय वर्ष रही । सुश्री बबीता नागर ने छात्राओं को अपने उद्बोधन में अपने संस्मरण सुनाकर प्रोत्साहित किया ।उन्होंने छात्राओं को आगे बढ़ने हेतु दिशा निर्देश दिए । प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में छात्राओं के प्रतिभाग करने की भूरि– भूरि प्रशंसा की । समारोह के अंत में क्रीडा प्रभारी डॉ. धीरज कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।कार्यक्रम का संचालन डॉ संजीव कुमार द्वारा किया गया ।दोनों दिवसों में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने निर्णायक पद की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया ।समस्त छात्राओं ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया।

राजनीति विज्ञान विभाग में कैरियर कॉउंसलिंग के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

प्राचीन समय से लेकर वर्तमान समय तक यदि राजनीति विज्ञान विषय की महत्ता का अध्ययन करें तो पाते हैं आज भी राजनीति विज्ञान विषय उतना ही प्रासंगिक है जितना कि प्राचीन समय में था। आज भी राजनीति विज्ञान विषय विद्यार्थियों की पसंद का विषय है जिसका कारण है राजनीति विज्ञान विषय में रोजगार की अपार संभावनाएं।इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए राजनीति विज्ञान विभाग में दिनांक 19/12/2022 को प्रो0 सतीश कुमार ,राजनीति विज्ञान विभाग ,इग्नू विश्वविद्यालय दिल्ली, द्वारा 'राजनीति विज्ञान में रोजगार की संभावनाएं' पर विभाग की छात्राओं हेतु व्याख्यान दिया गया। डॉ.सीमा देवी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। प्रो0 सतीश कुमार जी ने छात्राओं को सर्वप्रथम अपने व्यक्तित्व पर कार्य करने पर जोर दिया,ताकि छात्राएं आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो सकें। तत्पश्चात छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया कि छात्राएं राजनीति विज्ञान विषय में लोक सेवा आयोग ,अंतरराष्ट्रीय सेवाएं, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों, शासकीय व प्रशासकीय सेवा, अध्यापन, राजनीतिक विश्लेषक ,समाज सुधारक आदि अनेक क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं अपनी रूचि के अनुसार तलाश सकती हैं। यह क्षेत्र संभावनाओं से भरा हुआ है ,जिससे स्वयं का ही नहीं समाज एवं देश का विकास संभव है। अतः इस क्षेत्र में छात्राएं सकारात्मक माध्यमों से कार्य कर सकती हैं। उक्त व्याख्यान में बी0ए0 प्रथम, बी0ए0. द्वितीय वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं एम0ए0 की छात्राएं उपस्थित रहीं। व्याख्यान के पश्चात डॉ0 सीमा देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य कि शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

रेंजर प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन

महाविद्यालय की रेंजर इकाई द्वारा सत्र 2022–23 का रेंजर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दिनांक 20 दिसंबर 2022 से 22 दिसंबर 2022 तक महाविद्यालय में संचालित किया गया। शिविर का उद्घाटन दिनांक 20 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय की संरक्षिका एवं प्राचार्य प्रोफेसर डॉ दिव्या नाथ द्वारा किया गया ।तत्पश्चात रेंजर्स छात्राओं ने शिविर के दौरान भारत स्काउट गाइड का परिचय , ध्वज शिष्टाचार ,गांठे बंधन, तंबू निर्माण प्राथमिक चिकित्सा आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया।प्रशिक्षण कमिश्नर स्काउट गाइड श्री शिव कुमार द्वारा दिया गया । शिविर में छात्राओं ने अपनी विभिन्न प्रतिभाओं का भी प्रदर्शन किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भागीदारी की जैसे पोस्टर प्रतियोगिता, हस्त शिल्प कला कौशल प्रतियोगिता, इको रेस्टोरेशन, निबंध प्रतियोगिता आदि सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। अंत में स्थान प्राप्त छात्राओं एवं सर्वश्रेष्ठ रेंजर कुमारी पिंकी को शिविर के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री धर्मेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाइड एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर दिव्या नाथ द्वारा पुरस्कृत किया गया । शिविर का संचालन श्रीमती भावना यादव रेंजर,सह प्रभारी एवं समिति सदस्य डॉ0 ऋचा एवं श्रीमती माधुरी द्वारा किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग में पी एच0डी0 उपाधि

राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ.सीमा देवी के निर्देशन में शोधार्थी राजेश कुमार का पी एच0डी0मौखिकी दिनांक 31/12/ 2022 को' नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारतीय विदेश नीति एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 'विषय पर प्रोफेसर राजीव कुमार ,राजनीति विज्ञान ,मोतिहारी विश्वविद्यालय बिहार, द्वारा शोधार्थी का पीएच0डी0 सबमिशन वायवा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ साथ ही उक्त विद्यार्थी को विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में पीएच0डी0 की उपाधि प्राप्त होने के साथ ही जनवरी माह में दिल्ली एनसीईआरटी में चयन भी हो गया।

तत्पश्चात ममता गौतम की मौखिकी दिनांक 21.12 .2022 को डॉ0सीमा देवी के निर्देशन में नेपाल में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी उत्तर राज्यपाल का एक अध्ययन विषय पर प्रोफेसर सतीश कुमार इग्नू विश्वविद्यालय बिहार द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नैतिक मूल्य संवर्धन कार्यशाला

महाविद्यालय में दिनांक 22 दिसंबर 2022 को संस्कृत विभाग द्वारा एकदिवसीय नैतिक मूल्य संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में संस्कृत विभाग की समस्त छात्राओं को सर्वप्रथम संस्कृत विभाग प्रभारी प्रोफेसर (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व से परिचय कराते हुए नैतिक मूल्यों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। तत्पश्चात डॉ. नीलम शर्मा ने नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत संस्कृत वांग्मय से परिचय कराया एवं जीवन में नैतिक मूल्य एवं चारित्रिक विकास के महत्व को समझाया। डॉ. कनकलता द्वारा वैश्वीकरण के युग में नैतिक मूल्यों के ह्रास के कारणों पर चर्चा की गई एवं डॉ शिखा रानी द्वारा छात्राओं को विद्यार्थी जीवन से ही नैतिक मूल्यों के अनुपालन हेतु प्रेरित किया गया। द्वितीय सत्र में विभाग प्राध्यापिकाओं के नेतृत्व में छात्राएं नैतिक मूल्यों के प्रचार प्रसार एवं संवर्धन हेतु गांव बादलपुर एवं सादोंपुर में गई एवं वहां पर सभी ग्रामवासियों एवं बच्चों को सत्य, अहिंसा, त्याग उदारता, क्षमा, दान, सहनशीलता, सहयोग, समयबद्धता, ईमानदारी, कर्तव्यपालन, अनुशासन, दया, परोपकार, करुणा राष्ट्रीयता इत्यादि नैतिक मूल्यों एवं मानवीय मूल्यों के अनुपालन हेतु नीति कथाओं के माध्यम से प्रेरित किया। महाविद्यालय प्राचार्या प्रो० डॉ दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न यह कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल रही एवं छात्राओं ने भविष्य में भी स्वयं एवं अपने आसपास के लोगों को नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करने एवं उन्हें जीवन में धारण करने का दृढ़ संकल्प लिया।

माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जयंती का आयोजन

दिनांक 25 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में वाणिज्य संकाय, इग्नू एवं बी0वॉक0 के तत्वावधान में श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का आरंभ श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की फोटो पर माल्यार्पण करके किया गया। तत्पश्चात डॉ0 ममता उपाध्याय जी ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व, उनके राजनीतिक सफर एवं प्रधानमंत्री काल में हुए विभिन्न कार्यों और उनकी कविताओं के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को बताया। इस कार्यक्रम में कई छात्राओं ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। बी0वॉक0 की छात्रा कुमारी काजल देवी पुत्री श्री ओम प्रकाश सिंह ने श्री अटल बिहारी जी कविता "आओ फिर से दिया जलाएँ,आओ फिर से दिया जलाएँ" का पाठ किया। इस अवसर पर डॉ0 अरविंद कुमार यादव, श्री आजाद आलम सिद्दीकी, डॉ0 नीलम यादव, श्री महेश सिंह भाटी, श्रीमती अंजू शर्मा, श्री माधव श्याम केसरवानी आदि भी उपस्थित रहे। अंत में वाणिज्य विभाग प्रभारी एवं इग्नू के कॉर्डिनेटर डॉ0 अरविंद कुमार यादव ने सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

वीर बाल दिवस का आयोजन

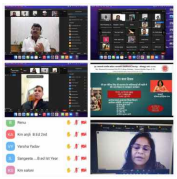

महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दिनाँक 26 दिसम्बर,2022 को वीर बाल दिवस मनाया गया। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्देश्य सिखों के दसवें गुरु श्री गोविन्द सिंह जी के साहिबजादों के त्याग और बलिदान से नई पीढ़ी को अवगत कराना था। साथ ही साथ शासन का उद्देश्य यह भी है कि राष्ट्र का युवा भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्र के इतिहास की गौरवशाली धरोहर से परिचित हो। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ जी के निर्देशन और संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए शिक्षक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने सिख धर्म के दर्शन और सिख धर्म की गुरु परम्परा की जानकारी देते हुए सिखों के 10 वें गुरु गोबिंद सिंह के दोनों बड़े बेटे बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह तथा दोनों छोटे बेटों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान और शौर्य की व्याख्या की। उन्होंने गुरु गोविन्द सिंह के व्यक्तित्व में समाहित धर्मगुरु,साहित्यकार,संगीतज्ञ,पिता ,पुत्र तथा योद्धा के स्वरूपों को सार सहित समझाते हुए युवा पीढ़ी से उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। चमकौर के युद्ध के सम्पूर्ण घटनाक्रम को समझाते हुए उन्होंने सिंघपुत्रों की वीरता और राष्ट्ररक्षा एवं धर्मरक्षा में उनके शौर्य और शहादत को याद किया। मंच का सुव्यवस्थित संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रमाकान्त द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दिनाँक 23 दिसंबर,2022 से आयोजित हो रहे वीर बाल दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों में डॉ. दीपक कुमार शर्मा तथा डॉ. नितिन त्यागी द्वारा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई तथा डॉ. रतन सिंह एवम डॉ. सतीश कुमार द्वारा निबन्ध एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की सफलता में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ जी के सशक्त निर्देशन के साथ– साथ समस्त शिक्षकों एवम छात्राओं की उपस्थिति एवं सहभागिता सराहनीय रही।

महाविद्यालय में विदाई एवं स्वागत समारोह का आयोजन

महाविद्यालय में विभिन्न विभागों एवं संकायों द्वारा सत्र 2922–23 में नवागंतुक छात्राओं के स्वागत हेतु विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में दिनांक 30 अगस्त 2022 को,एम0एस सी0,सत्र 2020–22 की छात्राओं को विदाई पार्टी दी गई।एम0एससी0 विभाग द्वारा ही दिनांक 22:12 2022 को छात्राओं द्वारा फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया,जिसमें छात्राओं ने उल्लास पूर्वक प्रतिभाग किया। दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को बी0वॉक0 की छात्राओं द्वारा छात्राओं के स्वागत हेतु फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 11 नवंबर 2022 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की छात्राओं हेतु फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई।

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि
कु. काजल नागर , एम.ए. प्रथम वर्ष
कु. प्रमिला, बी. एड. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा

KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997
Vol. 5/ Issue 2/ Oct 2022- Dec 2022